



खुदरा महँगाई दर में कमी

drishtiias.com/hindi/printpdf/retail-inflation-rate-decrease

प्रीलिम्स के लिये

मुद्रास्फीति के कारण, नियंत्रण के उपाय

मेन्स के लिये

मुद्रास्फीति में कमी के कारण, प्रभाव

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (National Statistical Office-NSO) द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार खुदरा महँगाई दर मार्च महीने में घटकर 5.91% रही, जो पिछले चार महीनों का सर्वाधिक निचला स्तर है। फरवरी माह में यह दर 6.58% रही थी।

प्रमुख बिंदु:

- मार्च महीने में मुद्रास्फीति दर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा निर्धारित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) मुद्रास्फीति लक्ष्य (2%-6%) के भीतर रही।
- देश भर में COVID - 19 के कारण लॉकडाउन की वजह से मार्च माह से कीमत संग्रह के लिये फील्डवर्क को निलंबित कर दिया गया था। लगभग 66% डेटा कीमत उद्धरण से, जबकि शेष डेटा सिमुलेशन विधि से लिये गए।
- जारी आँकड़ों के अनुसार, देश के शहरी क्षेत्रों में खुदरा मुद्रास्फीति 5.56% तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 6.09% रही।

मुद्रास्फीति

- मुद्रास्फीति कीमतों के सामान्य स्तर में सतत वृद्धि है। अगर किसी एक वस्तु या सेवा के दाम बढ़ जाए तो वह मुद्रास्फीति नहीं है।
- मुद्रास्फीति दर को मूल्य सूचकांक के आधार पर मापा जाता है, जो दो प्रकार के होते हैं-
 1. थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index-WPI)
 2. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index-CPI)

- मुद्रास्फीति के कारण:
 1. मांग जनित कारण
 2. लागत जनित कारण
- नियंत्रण के उपाय:
 1. अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को कम करना।
 2. उत्पादन में वृद्धि अथवा उत्पादों का आयात करना।
 3. उत्पादन तकनीक में सुधार कर उत्पादों की लागत कम करना।

मुद्रा स्फीति के कम होने के कारण:

- देशव्यापी लॉकडाउन के कारण मार्च महीने में उत्पादन सामग्री और कच्चे माल तथा उत्पादों की कीमत में वृद्धि कम हुई है।
- COVID-19 के तीव्र प्रसार तथा मौजूदा लॉकडाउन के समय उच्च अनिश्चितता की स्थिति वर्तमान प्रत्याशित मांग तथा 'कोर मुद्रास्फीति' में कमी ला सकती है।
- प्रत्याशित मांग में कमी के प्रमुख कारण बेरोजगारी तथा वेतन में कटौती, ऋण भार में वृद्धि, सार्वजनिक व्यय में कमी की वजह से बाजार में तरलता का अभाव है।
- लॉकडाउन के समय 'समाजिक दूरी' के परिणामस्वरूप सेवा क्षेत्र में परिवहन, मनोरंजन तथा संचार का प्रभावित होना भी मुद्रास्फीति के कम होने का प्रमुख कारण है।

संभावित प्रभाव

- RBI के लिये अर्थव्यवस्था को उबारने के लिये गैर-परंपरागत कदम उठाने या नीतिगत दर में कटौती की संभावना बनेगी।
- 'लॉकडाउन के कारण मार्च महीने में उत्पादन सामग्री, कच्चे माल और उत्पादों की कीमत में कम वृद्धि होने से आने वाले समय में खुदरा मुद्रास्फीति में और कमी आ सकती है।

आगे की राह:

- मार्च में खुदरा महंगाई दर के मोर्चे पर मिली राहत निकट भविष्य में बदल सकती है।
- देशव्यापी बंद के दौरान शहरी खुदरा महंगाई दर में वृद्धि की संभावना है। हालाँकि, स्थिति सामान्य होने पर इसमें सुधार आ सकता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस
